10 सितंबर 2013

सेवा में,

माननीय मुलायम सिंह यादव जी,

पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश,

लखनऊ.

विषय : उत्तर प्रदेश में पर्यटन व नागरिक उड्डयन को बढ़ावा देने हेतु एटीएफ पर वैट कम किये जाने के संबंध में।

आदरणीय महोदय,

हार्दिक शुभकामनाएं,

1. भारत की पर्यटन की राजधानी आगरा भारत की पहचान है। इस शहर को हिंदुस्तान पर हुकूमत करने का गौरव हासिल रहा है। अभी भी भारत आने वाले पर्यटकों में से अधिकांश (हर साल लगभग अस्सी लाख देशी-विदेशी पर्यटक सिर्फ ताज देखने के लिए) आगरा से ही वापिस लौट जाते हैं।
2. आगरा मुगलिया और बृज संस्कृति की मिलीजुली गंगा-जमुनी तहजीब का शहर है। हमें रुहानी इश्क की अजीम इमारत ही नहीं अपनी तहजीब (मोहब्बत द ताज आदि शो), हस्तशिल्प (संगमरमर की पच्चीकारी, जरदोजी, कालीन और जूता आदि), खानपान (पेठा, बेढ़ई) से रूबरू कराने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा जब देसी-विदेशी पर्यटक आगरा में रुकें।
3. आगरा आने वाले सिर्फ पर्यटक ही नहीं होते। व्यापारी भी होते हैं, आगरा आने वालों में फिरोजाबाद के कांच व्यवसाय, अलीगढ़ का ताला उद्योग, मथुरा के

धर्म संस्कृति से जुड़े उत्पाद के व्यवसायी भी आगरा आने के लिए हवाई सेवा प्रयोग करना चाहते हैं। इससे आगरा में अन्य उद्योगों में भी बढ़ोत्तरी होगी।

4. आगरा में पर्यटक रुकेगा तो पूरा पर्यटन व्यवसाय में इजाफा होगा। इससे उत्तर प्रदेश का राजस्व बढ़ना तय है। दिल्ली-बनारस-आगरा-खजुराहो सेवा एयर इंडिया द्वारा दिसम्बर 2012 में शुरू की गई है। कई निजी विमान सेवा आगरा तक अपनी सेवा क्षेत्र को बढ़ाना चाहती हैं। आगरा से एटीएफ (एविएशन टरबाइन फ्यूल) से आय लगभग नगण्य है। इसकी मौजूदा दर कुछ समय के लिए घटाए जाने की जरूरत है। ईंधन की खपत बढ़ने से दर में होने वाली कमी की क्षतिपूर्ति भी संभव हो सकती है।
5. एटीएफ की दर घटाने के लिए लखनऊ में आगरा के पर्यटन उद्यमियों, आगरा डवलपमेंट फाउंडेशन के सदस्य और अन्य गणमान्य नागरिकों की आपके आवास पर दिनांक 14 जून 2012 को चर्चा हुई थी और सैद्धांतिक रूप से इस पर आपकी सहमति भी मिल गई थी। आगरा में पार्टनरशिप सम्मिट के दौरान भी आपका ध्यान आकर्षित किया गया था, तब भी आपने पुन: अपनी सहमति दर्शायी थी, परन्तु अभी तक इस पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ है। हम आपके द्वारा लिए गए सकारात्मक निर्णय के कार्यरूप में परिणति के इंतजार में हैं।
6. भारत में पश्चिम बंगाल इसी माह देश का पहला ऐसा प्रदेश हो गया है जिसने बाघ डोगरा हवाई अड्डे के लिए वैट की दर घटा कर शून्य कर दी है। एटीएफ

   पर वैट कम करने की पहल और उसके परिणाम महाराष्ट्र (मुंबई और पुणे छोड़कर), पंजाब, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य देख चुके हैं। झारखंड राज्य ने

राजधानी रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे के लिए एटीएफ पर वैट की दर 20 फीसदी से घटाकर 04 फीसदी एक अप्रैल 2013 से कर दी है। पंजाब ने

अमृतसर और छत्तीसगढ़ ने रायपुर हवाई अड्डों के लिए वैट दर में कमी की थी। इसी के परिणामस्वरूप दोनों हवाई अड्डों पर आशातीत वृद्धि दर्ज की गई

है। रायपुर में मात्र एक वर्ष में वैट में कमी के बाद लगभग ढाई गुना यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। (संबंधित शासनादेश व मीडिया कवरेज की प्रतिलिपि संलग्न है)

अत: आपसे विनम्र अनुरोध है कि न सिर्फ आगरा के हित में वरन् पूरे प्रदेश और पर्यटन हित में एटीएफ की दर आगरा में आने वाली व्यावसायिक उड़ानों के लिए 21 फीसदी से घटाकर 04 फीसदी किए जाने पर अपनी सहमति प्रदान कर घोषित करने की कृपा करें। निश्चय ही, यदि ऐसा होता है तो आगरा में उपरोक्त हवाई अड्डों के यात्री प्रवाह में आए बदलाव के दृष्टांत को दोहराने की पूर्ण संभावना हैं। इससे आगरा मंडल के सभी निवासी आपके हृदय से आभारी रहेंगे।

धन्यवाद एवं आदरसहित,

चक्रेश जैन	के. सी. जैन	पूरन डाबर
कोषाध्यक्ष	सचिव	अध्यक्ष

राकेश गर्ग	वाई. के. गुप्ता
संयुक्त सचिव	उपाध्यक्ष